Title: Need to ensure better upkeep of newly born animals in Military Dairy Farm and Dairy of Jawaharlal Nehru Agriculture University, Jabalpur.

श्रीमती जयश्री बैनर्जी (जबलपुर) :अध्यक्ष महोदय, मिलिट्री डेयरी फार्म एवं जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर की डेयरियों में नवजात बछड़ों को जंगल में छोड़ दिया जाता है। छोटे से प्यारे नवजात बछड़ों को जंगल के मांसाहारी चूहे, सियार, लोमड़ियां. चील, गिद्ध, कौवों द्वारा मौत के मुंह में भेज दिया जाता है। यह क्रूरतम निर्ममता है। इसी प्रकार अनुवांशिक एवं अन्य बीमारीग्रस्त गायों को भी अपनी जिम्मेदारियों से बच कर पीड़ादायक मौत की ओर धकेला जाता है। इससे बचने के लिए अतिशीघ्र प्रयास होना चाहिए। अच्छी दुधारू नस्ल के इन बछड़ों का पालन-पोाण कर गौवंश के नस्ल सुधार में दूर-दराज के गांवों में इनका उपयोग किया जा सकता है। बीमार, अशक्त गायों को सार्वजनिक न्यासों की गौशाला में भेजा ही जाए। साथ ही उनके आहार के लिए शासकीय चारागारों में उगाया हुआ चारा भी भेजा जाना चाहिए। जबलपुर में दयोदय पशु संवर्धन एवं पर्यावरण केन्द्र इस दिशा में सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है।

अतः मेरा अनुरोध है कि इस सार्वजनिक ट्रस्ट को सहायता प्रदान की जानी चाहिए।